

ইমন । কাঁপতাল

বঁধুয়া, অসময়ে কেন হে প্রকাশ ।

সকলই যে স্বপ্ন ব'লে হতেছে বিশ্বাস ॥

তুমি গগনেরই তারা

মর্তে এলে পথহারা—

এলে ভুলে অশ্রুজলে আনন্দেরই হাস ।

| | | | | | | | |
|------|----------|------------|----------|---------------|-------------|---------|-------------|
| | সাঁ না | ধপা | -১ II { | গা | রা গা | -১ | রা |
| | ব ধু | য়া° | • | অ | স ম | • | য়ে |
| সা | রা পধা | -পপা | ক্ষা I | গা | -১ -১ | -১ | -১ |
| কে | ন হে° | •• | প্র | কা | • • | • | • |
| | | | | | | | । |
| (-১ | সাঁ না | ধপা | -১) } I | -১ | -১ -১ | -১ | -১ I |
| শ্ | ব ধু | য়া° | • | • | • • | • | শ্ |
| I | গক্ষা | গা গপা | -১ | পক্ষা পক্ষা | পনা ধপা | -১ | ক্ষা I |
| স° | ক লি | • | যে° | স্বপ্ | ন° ব° | • | লে |
| I | গা | ক্ষা পা | গক্ষা | -১ গক্ষপধা: | ধঃ পা | -১ | পক্ষা II |
| হ | তে ছে | বি | শ্ | শা°°স্ | “ব ধু | • | য়া°” |
| II { | পা | গা পা | -ক্ষা | ধপা° সাঁ | সাঁ রসাঁ | -১ | সাঁ I |
| ভু | মি গ | • | গ° | নে | রি তা° | • | রা |
| I | সাঁ | সাঁ সঁনা | -ধক্ষা | ধা না | ধনসাঁ ধনা | -ধপক্ষা | পা } I |
| মব্ | তে এ° | •• | লে | প | ধ°° | হা | ••• |
| I { | গপা | পা পা | -ক্ষা | পা পনা | না ধপা | -ক্ষা | পা } I |
| এ° | লে ভু | • | লে | অশ্ | শ্র জ° | • | লে |
| I | গা | ক্ষা পা | ক্ষা | -১ গক্ষপধা: | ধঃ পা | -১ | পক্ষা II II |
| আ | নন্ দে | রি | • | হা°°স্ | “ব ধু | • | য়া°” |